



KVK-UJJAIN

KRISHI VIGYAN KENDRA, UJJAIN

कृषि विज्ञान केंद्र, उज्जैन
Rajmata Vijayaraje Scindia Krishivishwa Vidyalaya
राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय



0734-2922071

kvkujain@rediffmail.com<http://kvkujain.org>

Mobile App: Masala Faslen Manual

मोबाइल एप्प : मसाला फसलें मेनुअल

- Go to the google play store and type or speak masala faslen. You will get the app listing where masala faslen app will be shown
Google play store में जाएं और masala faslen टाइप करें या बोलें। आपको ऐप की लिस्टिंग मिल जाएगी जहाँ मसाला फेसले ऐप दिखाया जाएगा
- Click and install. After installation open the app.
क्लिक और स्थापित करें। इंस्टॉल करने के बाद एप को ओपन करें
- Onion and Galic picture is given on Home screen.
प्याज और लहसुन की तस्वीर होम स्क्रीन पर दी गई है।



- Tap on onion or garlic for navigating into desired information about onion or garlic
प्याज या लहसुन के बारे में वांछित जानकारी में नेविगेट करने के लिए प्याज या लहसुन पर टैप करें।
 - Onion and Garlic pages include the following. Swap to move from first to the last page. You can directly move to the concern page by side menu.
प्याज और लहसुन के पन्नों में निम्नलिखित शामिल हैं। पहले से अंतिम पृष्ठ पर जाने के लिए स्वैप करें।
आप सीधे संबंधित पेज पर भी जा सकते हैं।
1. Introduction: Basic Information about onion is given.
- प्रस्तावना : प्याज कि आधार जानकारी दी गई है

The image consists of two side-by-side screenshots of a mobile application interface. Both screens have a blue header bar with the title in Hindi and a back arrow icon. The left screen shows 'प्याज की खेती' (Onion Farming) and displays three onions (orange, red, and white) in a grid. The right screen shows 'लहसुन की खेती' (Garlic Farming) and displays a single garlic bulb in a grid. Below each title, there is a large image of the respective vegetable. The main content area contains descriptive text in Hindi. At the bottom of each screen, there is a horizontal navigation bar with tabs: 'परिचय' (Introduction), 'खेत की तैयारी' (Field Preparation), 'उपयुक्त किसमे' (Appropriate Soil), and 'खास जानकारी' (Special Information). The text in the content area is as follows:

प्याज की खेती

प्याज एक महत्वपूर्ण कंद व सब्ज़ी वाली फसल है। इसका उपयोग औषधि के रूप में भी अनेक बिमारियों के उपचार के लिए किया जाता है। प्याज में तीखापन इसमें पाए जाने वाले योगिक एलाइल प्रोपिल डाई सल्फाइड के कारण होता है जबकि लाल एवं पीला रंग क्रमशः एंथोसायनीन एवं क्वरसेटिन के कारण होता है। प्याज मध्यप्रदेश में रबी में उगाई जाने वाली एक प्रमुख सब्ज़ी फसल है। खरीफ मौसम में भारी वर्षा और कम जल निकासी होने के कारण काला धब्बा, बैंगनी धब्बा एवं काला झुलसा जैसी बीमारियों पैदा होती है।

लहसुन की खेती

लहसुन एक कन्द वाली मसाला फसल है। इसमें एलसिन नामक तत्व पाया जाता है जिसके कारण इसकी एक खास गंध एवं तीखा स्वाद होता है। लहसुन की एक गांठ में कई कलियाँ पाई जाती हैं जिन्हे अलग करके एवं छीलकर कच्चा एवं पकाकर स्वाद एवं औषधीय तथा मसाला प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाता है।

2. Field Preparation: Important information about the requirement of field.

खेत कि तैयारी: खेत कि तैयारी के लिए आवश्यक जानकारी दी है

लहसुन की खेती

परिचय खेती के लिए उपयुक्त किस्में खाद एवं उर्वरक

जलवायु
लहसुन पाले को सेहन करने वाली फसल है जो बढ़वार के समय ठंडा आद्र तथा कंद की परिपक्वता की स्थिति मौसम चाहती है। अत्यंत गर्म एवं लम्बे दिन कंद की बढ़वार के लिए उपयुक्त नहीं होते। अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए ३० से ३५ डिग्री सेलसियस तापमान १० घंटे का दिन एवं ६० से ६५ प्रतिशत आद्रता उपयुक्त होती है।

भूमि
खेत की तैयारी

परिचय खेत की तैयारी उपयुक्त किस्में खाद एवं उर्वरक

प्याज की खेती

परिचय खेत की तैयारी उपयुक्त किस्में खाद एवं उर्वरक

प्याज की खेती के लिए दोमट या बलुई दोमट मिट्टी जिसमें जीवांश खाद प्रचुर मात्रा में हो व जल निकास की उत्तम व्यवस्था हो, सर्वोत्तम है। साथ ही मिट्टी की जल धारण क्षमता भी अच्छी होनी चाहिए।

प्याज के खेत में पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद २-३ बार देशी हल अथवा हैरो द्वारा जुताई करें जिससे मिट्टी की कठोर परत दूट

3. Improved Varieties: including improved Varieties, duration and its productivity with some other characteristics.

बेहतर किस्में: कुछ अन्य विशेषताओं के साथ बेहतर किस्में, अवधि और इसकी उत्पादकता भी शामिल हैं

प्याज की खेती

खेत की तैयारी उपयुक्त किस्में खाद एवं उर्वरक

एग्री फाउंड डार्क रेड

यह किस्म खरीफ के लिए अनुशंसित है। इसके कंद गहरे लाल रंग गोलाकार, मध्यम तीखे होते हैं। प्रत्यारोपण के बाद ९५-११० दिनों में परिपक्व हो जाते हैं।

लहसुन की खेती

खेती के लिए उपयुक्त किस्में खाद एवं उर्वरक

एग्रीफॉउण्ड सफ्रेड (जी-४१)

एग्रिफॉउण्ड सफ्रेड (जी-४१)-कंद ठोस, माध्यम आकार के सफ्रेड तथा गूदा क्रीम रंग का होता है। प्रत्येक कंद में कलियों की संख्या २० से २५ होती है। बैंगनी धब्बा एवं द्यलसा रोग के

4. Fertilizer and Manure Detail is given.
उर्वरक और खाद का विवरण दिया गया है।

प्याज की खेती

प्रयुक्त किसमे खाद एवं उर्वरक बीज दर एवं बुवाई

- ^ कार्बनिक खाद (टन/हे)
 - 1. गोबर खाद 15 या
 - 2. केंचुआ खाद 7.5 या
 - 3. पोलटी खाद 7.5
- ^ नत्रजन(कि.ग्रा./हे)
- ^ स्फुर(कि.ग्रा./हे)
- ^ पोटाश(कि.ग्रा./हे)

लहसुन की खेती

प्रयुक्त किसमे खाद एवं उर्वरक बीज दर एवं बुवाई

- ^ गोबर की खाद

मात्रा/हेक्टेयर : 500 क्विंटल
उपयोग: खेत की तैयारी के समय एक समान रूप से बिखेर देवें व खेत की जुताई कर अच्छी तरह मिला देवें
- ^ नत्रजन
- ^ स्फुर
- ^ पोटाश
- ^ अन्य खाद

5. Seed Rate and Sowing Techniques given. Explained through pictures with text.
बीज दर और बुवाई तकनीक। पाठ के साथ चित्रों के माध्यम से समझाया गया।

प्याज की खेती

द एवं उर्वरक बीज दर एवं बुवाई नर्सरी की तैयारी

कंदों की बुवाई सामान्यता: नहीं अपनाई जाती क्योंकि इसमें अधिक मात्रा में कंदों की आवश्यकता होती है जो की काफी महगी होती है। कंदों की बुवाई से प्राप्त उपज की भण्डारण क्षमता कम होती है। छिटकवा विधि भी महंगी होने के कारण सामान्यता नहीं अपनाई जाती है।



लहसुन की खेती

द एवं उर्वरक बीज दर एवं बुवाई सिंचाई शर्त

मेन्कोजेब (१.५ ग्राम) + कार्बन्डाजिम (३.५ ग्राम) के ३ ग्राम सम्मिश्रण के घोल से प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

बुवाई का तरीका



- Nursery Preparation only for onion.
- केवल प्याज के लिए नर्सरी तैयार करना।
- Transplantation Technique.
- प्रत्यारोपण तकनीक।



दर एवं बुवाई नर्सरी की तैयारी रोपाई सिंचाई
हल्को परत से बोजों का ढककर झार से पानी देवें तथा क्यारियों को घास फूस या अन्य किसी वनस्पति आवरण से ढक देवें।



नर्सरी की तैयारी रोपाई सिंचाई शस्य क्रियाएं
पानी में बने हुए धोल में 15-20 मिनेट डुबोकर रखें, उसके बाद रोपाई करे ताकि फसल को बेंगनी धब्बा रोग से बचाया जा सके।

- रोपाई करते समय कतारों के बीच की दूरी 15 सेमी तथा पौध से पौध की दूरी १० सेमी रखें।



8. Irrigation



तैयारी रोपाई सिंचाई शस्य क्रियाएं भण्डारण क्षमता भी बढ़ जाती है।

- कंदों को भूमिगत कीटों से बचाव के लिए क्लोरोपायरीफास (२० ई.सी.) ४ लीटर दवा का प्रयोग प्रति हेक्टेयर की दर से खुदाई से २५-३० दिन पूर्व सिंचाई के पानी के साथ करना चाहिए, ऐसा करने से भण्डारण के दोरान कंदों में नुक्सान कम होता है।

टपक सिंचाई का प्रयोग



बीज दर एवं बुवाई सिंचाई शस्य क्रियाएं एवं

पृष्ठ पाँच करना याहूः ५ . प्रथम हल्का सिंचाई बुवाई के तुरंत बाद करें। उथली जड़ वाली फसल होने के कारण अधिक लम्बे अंतराल पर सिंचाई करने से कलियाँ बिखर जाती हैं। पानी के अधिक भराव होने की स्थिति में शल्क कंदों की लम्बे समय तक भंडारित कर के नहीं रखा जा सकता। अतः हल्की सिंचाई करें व खेत में पानी का भराव न होने दें।

टपक सिंचाई का प्रयोग



9. Agronomic Practices शस्य प्रयोग

प्याज़ की खेती

पाई सिंचाई शस्य क्रियाएं भण्डारण प्र

पर निकालते रहते हैं, परन्तु ध्यान रहे की फसल को हानि न हो। सामान्यता पहली निराई गुड़ाई रोपाई के 20 - 25 दिन पर तथा दूसरी 45 - 50 दिन पर की जाती है।

रसायनिक विधि

रासायनिक नियंत्रण के अंतरगत रासायनिक खरपतवारनाशी जैसे परेंडीमेथालिन (30 ई सी) का 3.5 - 4.0 मि. ली. या ऑक्सीफ्लूरोफेन (23.5 ई सी) का 1.5 - 2.0 मि. ली. को प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर

लहसुन की खेती

सिंचाई शस्य क्रियाएं एवं अन्य प्रमुख की

लहसुन उथली जड़ वाली फसल है अतः पौधों की जड़ों में वायु संचार के लिए उथली निंदाई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। खरपतवार नियंत्रण के लिए प्रति हेक्टेयर पेंडामेथालीन का 3-4 ली.मात्रा का १००० लीटर पानी में घोल बनाकर बुवाई के तुरंत बाद सिंचाई से पहले छिड़काव करना चाहिए।

10. Storage: भण्डारण

प्याज़ की खेती

शस्य क्रियाएं भण्डारण प्रमुख कीट श

खुदाई

- प्याज की फसल चार से पांच माह में पाक जाती है।
- जब ५० % पौधों की पत्तियां पीली पड़ कर मुरझाने लगे तब कंदों की खुदाई की

11. Pest Management:  Swipe to open side menu.

कीट प्रबंधन: साइड मेनू खोलने के लिए स्वाइप करें।



12. Disease Management Move to Onion Disease or Garlic Disease. Display multiple diseases mostly occur in both the crop. Tap on any picture for detail and control measure.

रोग प्रबंधन : प्याज रोग या लहसुन रोग के लिए ले जाएँ। दोनों फसलों में मुख्यता होने वाले रोग किसी भी चित्र पर टेप करके विवरण एवं उपचार देखे।



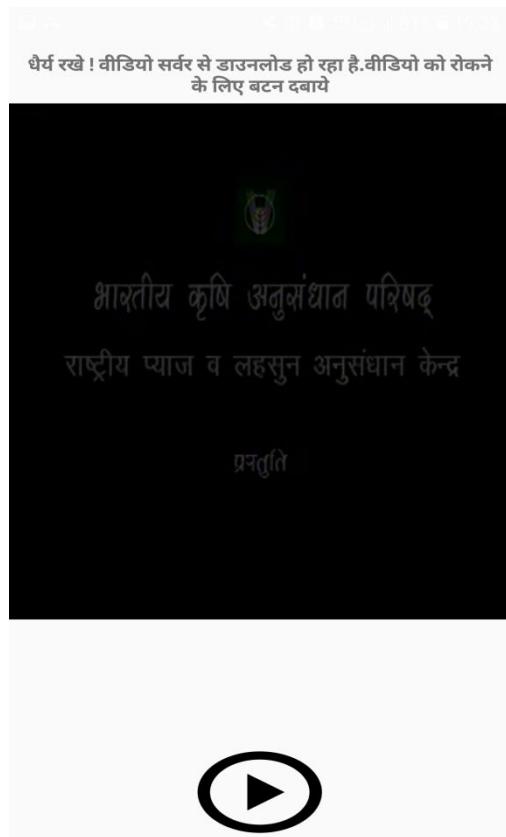


13. Side Menu also have value added and processed items of Onion and Garlic. Select side menu, move to the desired option and click. साइड मेनू में प्याज और लहसुन के मूल्य वर्धित और प्रसंस्कृत आइटम भी हैं। साइड मेनू का चयन करें, वांछित विकल्प पर जाएं और क्लिक करें।

प्याज - लहसुन के प्रसंस्करित उत्पाद

प्याज व लहसुन से हमारे देश को काफी विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, साथ ही प्रसंस्करण उद्योग को भी बढ़ावा मिल रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। प्याज एवं लहसुन मुख्यतः रबी की फसलें हैं। प्याज व लहसुन की आवश्यकता वर्ष भर होती है, परन्तु इसमें पानी की मात्रा अधिक होने के कारण वर्ष भर भण्डारण करना सम्भव नहीं है। प्याज व लहसुन का प्रसंस्करण करके विभिन्न उत्पाद बनाये जाते हैं। प्याज व लहसुन का पाउडर, सॉस, सूप एवं मसाला उद्योग में भी उपयोग में लाया जा रहा है। प्याज व लहसुन की प्रसंस्करण प्रक्रिया संक्षेप में आगे दी गयी है।

14. Video on Onion Production can be viewed on selecting the option. विकल्प का चयन करने पर प्याज उत्पादन पर वीडियो देखा जा सकता है
15. To move to the Home or first page tap on Home icon.
होम या पहले पृष्ठ पर जाने के लिए होम आइकन पर टैप करें।
16. Tap on Three dots  at Right side collapsible menu which have "About App" and "Mandi Rate". दाईं ओर तीन बिंदुओं वाले मेनू पर टैप करें, जिसमें "एप के बारे में" और "मंडी भाव" मिलेगा.

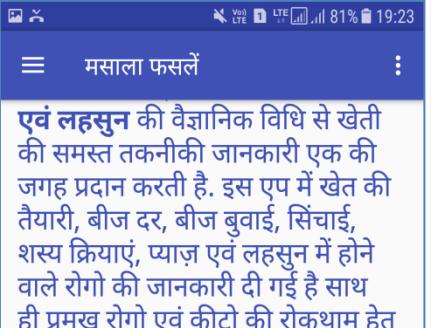




लहसुन की खेती के लिए उपयुक्त किस्मे खाली लिखें

लहसुन एक कन्द वाली मसाला फसल है। इसमें एलसिन नामक तत्व पाया जाता है जिसके कारण इसकी एक खास गंध एवं तीखा स्वाद होता है। लहसुन की एक गांठ में कई कलियाँ पाई जाती हैं जिन्हे अलग करके एवं छीलकर कच्चा एवं पकाकर स्वाद एवं औषधीय तथा मसाला प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाता है।





मसाला फसलें

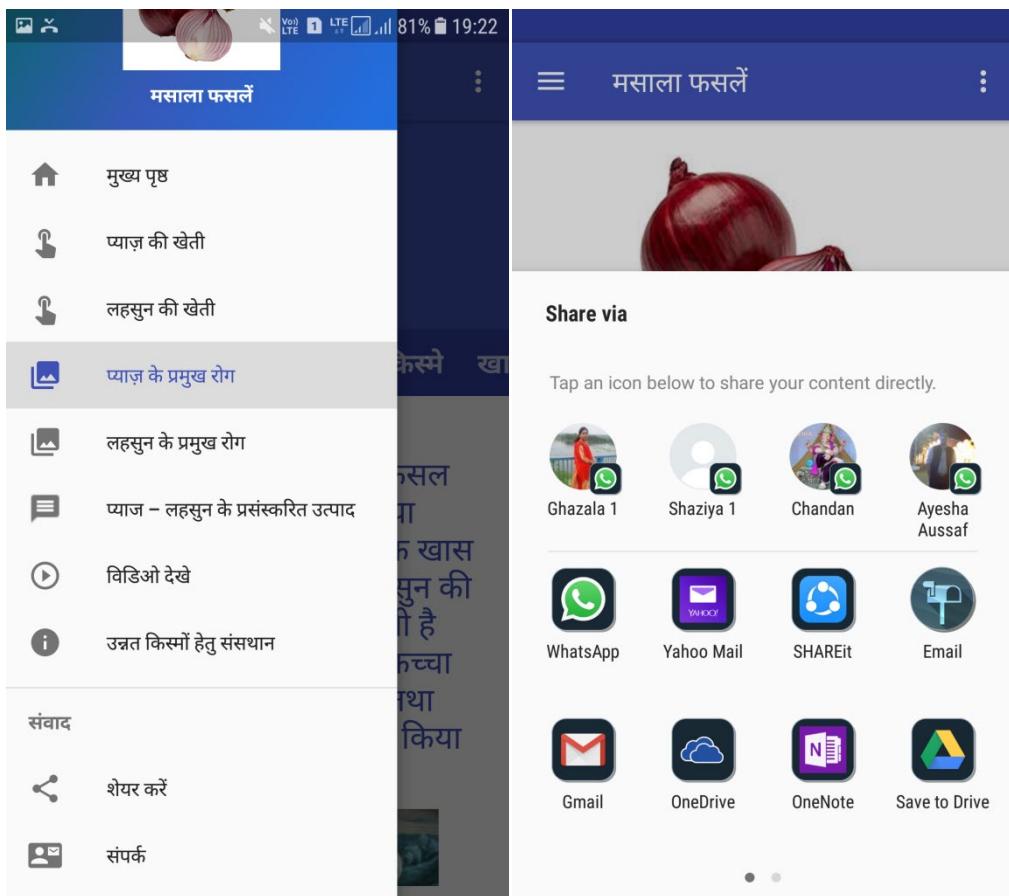
एवं लहसुन की वैज्ञानिक विधि से खेती की समस्त तकनीकी जानकारी एक की जगह प्रदान करती है। इस एप में खेत की तैयारी, बीज दर, बीज बुवाई, सिंचाई, शस्य क्रियाएं, प्याज़ एवं लहसुन में होने वाले रोगों की जानकारी दी गई है साथ ही प्रमुख रोगों एवं कीटों की रोकथाम हेतु सलाह दी गई है। एप को कृषि विज्ञान केंद्र उज्जैन द्वारा बनाया गया है। जो राजमाता विजयराज सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय, ग्वालियर के अंतर्गत स्थापित एवं भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा वित्तीय पोषित केंद्र है। एप में तकनीकी जानकारी केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ आर. पी. शर्मा द्वारा दी गई है एवं संकलन में श्रीमती रुचिता कनोजिया, उद्यानिकी सहायक ने सहयोग किया है। एप को केंद्र की तकनीकी अधिकारी (कंप्यूटर) श्रीमती ग़ज़ाला खान द्वारा डेवलप किया गया है।

आज के मंडी भाव की जानकारी !

स्रोत : agmarknet

AGMARKNET	750 Min Price: 1680 Wheat : Da
03 Sep 2018	

17. For Sharing the app to friends tap on Share option given on Left Side Menu.
दोस्तों को ऐप साझा करने के लिए लेफ्ट साइड मेनू पर दिए गए शेयर विकल्प पर टैप करें



18. You can contact us on option given under side menu.

आप साइड मेनू के तहत दिए गए विकल्प पर हमसे संपर्क कर सकते हैं।

